

असहमति स्त्री. (तत्.) किसी कृत्य या सिफारिश के संबंध में मौखिक या लिखित गैर रजामंदी, असम्मति, अस्वीकृति या विसम्मति।

असहयोग पुं. (तत्.) साथ मिल कर काम न करने का भाव विलो. सहयोग।

असहयोग आंदोलन पुं. (तत्.) 1919-20 ई. में महात्मा गांधी के द्वारा प्रारंभ किया गया आंदोलन जिसमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भारत को स्वशासन domainion states देने की माँग की, इस आंदोलन का उद्देश्य प्रत्येक शासकीय क्षेत्र में ब्रिटिश सरकार को सहयोग न देना था।

असहाय वि. (तत्.) 1. जिसका कोई सहारा न हो, निराश्रय 2. अनाथ, लाचार।

असहायता-प्राप्त संस्था स्त्री. (तत्.) ऐसी सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक या अन्य धार्मिक संस्था जिसे सरकार या किसी ट्रस्ट द्वारा आर्थिक सहायता नहीं मिलती हो। unaided institution

असहिष्णु वि. (तत्.) 1. जो सहन न कर सके, असहनशील 2. चिड़चिड़ा, तुनकमिजाज विलो. सहिष्णु।

असहिष्णुता स्त्री. (तत्.) 1. सहन करने की शक्ति का अभाव, असहनशीलता 2. चिड़चिड़ापन विलो. सहिष्णुता।

असह्य वि. (तत्.) सहन न करने योग्य, असहनीय। विलो. सह्य।

असांप्रत वि. (तत्.) 1. जो वर्तमान काल का न हो 2. जो अवसर की दृष्टि से उचित न हो, अनुचित, अयोग्य 3. असामयिक।

असांप्रदायिक वि. (तत्.) सांप्रदायिकता रहित, जो समुदाय विशेष द्वारा अनुमोदित न हो विलो. सांप्रदायिक।

असांविधिक वि. (तत्.) जो संविधि statute लिखित कानून से भिन्न या विपरीत हो या उसके अनुसार न हो, असंवैधानिक।

असांविधिक नियम पुं. (तत्.) सांविधिक नियमों से इतर अन्य सभी नियम non-statutory विलो. सांविधिक नियम।

असांसद वि. (तत्.) 1. जो संसद की मर्यादा के प्रतिकूल हो 2. जो सांसद न हो।

असांसदिक वि. (तत्.) दे. असंसदीय।

असा पुं. (अर.) 1. डंडा, सोंटा 2. सोने या चांदी से मढ़ा हुआ सोंटा जो राजा की सवारी निकलते समय सेवक के हाथ में होता है। बारात में भी कभी-कभी आगे ले कर चलते हैं।

असाक्षात् वि. (तत्.) 1. जो आँखों देखा न हो 2. जो दिखलाई न पड़े, अप्रत्यक्ष, अगोचर।

असाक्षिक वि. (तत्.) जिसका साक्षी कोई न हो, जिसकी गवाही देने वाला न हो।

असाक्षी पुं. (तत्.) 1. जो चश्मदीद गवाह न हो 2. साक्षी होने का अनधिकारी 3. शास्त्रानुसार गवाही के अयोग्य विलो. साक्षी।

असाक्ष्य पुं. (तत्.) 1. गवाही का अभाव, साक्ष्य का अभाव 2. साक्ष्य के रूप में अमान्य विलो. साक्ष्य।

असाढ़ पुं. (तद्.) ज्येष्ठ के बाद और सावन से पूर्व का मास, आषाढ़ मास, विक्रम संवत्सर का चतुर्थ मास।

असातत्य पुं. (तत्.) निरंतरता का अभाव, रुक-रुक कर कार्य होने का भाव विलो. सातत्य

असाध वि. (तद्.) 1. दे. असाध्य 2. दे. असाधु।

असाधता स्त्री. (तत्.) 1. असाधु होने का भाव 2. दुष्टता 3. उचितता का अभाव 4. अशुद्धि।

असाधन वि. (तत्.) साधन-रहित, उपकरण-रहित। विलो. ससाधन। पुं. (तत्.) 1. सिद्धि या साधन का अभाव 2. अनुचित साधन।

असाधनीय वि. (तत्.) जिसे सामान्य परिस्थितियों में व्यवहार रूप देना या कार्यान्वित करना संभव न हो, अव्यावहारिक।

असाधारण वि. (तत्.) 1. जो सामान्य और प्रायः होने वाली घटना या विशिष्ट स्थिति आदि से